बिन्दु संख्या–1

संगठनात्मक ढांचा

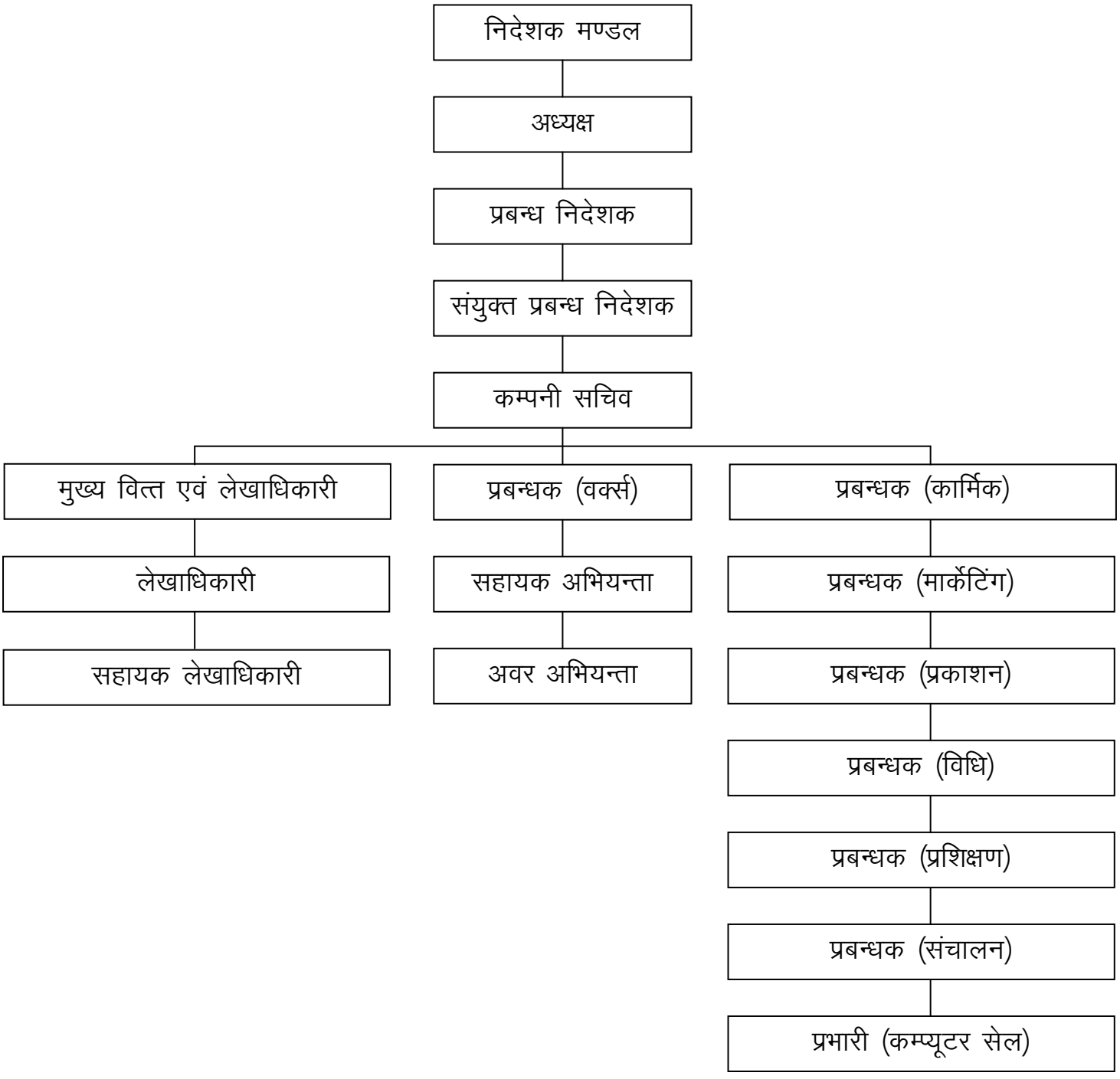

उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड के सम्बन्ध में संक्षिप्त टिप्पणी

1. निगम की स्थापना

उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड की स्थापना वर्ष 1974 में हुई थी। निगम की वर्तमान अधिकृत अंशपूंजी रू0–40.00 करोड़ तथा चुकता अंशपूंजी रू0–32.60 करोड़ है। वर्ष 1974 में निगम की स्थापना के उपरान्त शासन ने पर्यटन निदेशालय द्वारा संचालित की जा रही 08 इकाईयों–वाराणसी, सारनाथ, इलाहाबाद, महोबा, अयोध्या, हरिद्वार, लखनऊ तथा आगरा को संचालन हेतु निगम को हस्तान्तरित किया था। निगम की इकाइयों की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है,और वर्ष 2020–21 में निगम द्वारा 37 इकाईयों का संचालन किया जा रहा है। वर्तमान में 17 बन्द इकाईयों पर सुरक्षा व्यवस्था हेतु केवल एक–एक कर्मचारी तैनात है।

2. उद्देश्य

निगम की स्थापना के प्रमुख उद्देश्य है–पर्यटन को बढावा देना, पर्यटको हेतु आवास गृहो, जलपान–गृहो, मार्गीय सुविधा तथा मनोरंजन स्थलों का संचालनकरना है।

3. विभिन्न गतिविधियॉ

(अ) होटल व्यवसाय

निगम द्वारा संचालित पर्यटक आवास गृहों–होटल/मोटल के माध्यम से विभिन्न श्रेणी के पर्यटकों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुये वातानुकूलित, एयरकूल्ड, साधारण कक्षों तथा डारमेट्री की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इसके अतिरिक्त पर्यटकों की सुविधा हेतु निगम द्वारा संचालित इकाइयों में जलपान एवं भोजन की सुविधा के साथ–साथ पर्यटकों की रूचि को ध्यान में रखते हुए 06 इकाईयों में कम्पोजिट बार उपलब्ध है। कुछ इकाईयों पर बैंक्वेट हाल/कान्फ्रेंस हाल की सुविधा भी उपलब्ध है।

(ब) अपटुअर्स

निगम द्वारा प्रदेश में आने वाले पर्यटकों की यात्रा को सुविधाजनक बनाने के दृष्टिकोण से अपटुअर्स स्थापित किये गये है, जिनका निगम द्वारा संचालित विभिन्न इकाईयों में पर्यटकों को ट्रान्सपोर्ट उपलब्ध कराने हवाई यात्रा के टिकट आदि एवं आवासीय कक्षों का आरक्षण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अपटुअर्स का संचालन किया जा रहा है। इन अपटुअर्स के माध्यम से पर्यटकों को निगम द्वारा संचालित किसी भी इकाई का आवासीय आरक्षण कराने की सुविधा प्रदान की जा रही है। पर्यटकों को आरक्षण सम्बन्धी सूचना उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उक्त अपटुअर्स एवं निगम की विभिन्न इकाईयों को कम्प्यूटर नेटवर्क से जोड़ा गया है। इस कम्प्यूटर नेटवर्किंग की सुविधा से पर्यटकों को ऑनलाइन आरक्षण की सुविधा एवं पर्यटन से सम्बन्धित सूचनायें उपलब्ध करायी जा रही है।

निगम द्वारा संचालित अपटुअर्स :–

क उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड में संचालित अपटुअर्सः–

1. अपटुअर्स, लखनऊ
2. अपटुअर्स, आगरा
3. अपटुअर्स, प्रयागराज
4. अपटुअर्स, वाराणसी
5. अपटुअर्स, हरिद्वार
6. अपटुअर्स, झांसी

ख. अन्य राज्यों में स्थापित अपटुअर्सः–

1. अपटुअर्स, कोलकाता

4. वित्तीय परिणाम.

उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड के वित्तीय परिणाम निम्नवत् है :–

(धनराशि लाख रू0 में)

क्र.	विवरण	2016–17	2017–18	2018–19	2019–20	2020–21
		सम्प्रेक्षित	असम्प्रेक्षित	असम्प्रेक्षित	असम्प्रेक्षित	प्राविधानित बैलेन्सशीट के आधार पर
1	आय	4347.99	4741.95	6658.14	5578.52	2816.09
2	व्यय	4050.25	4349.43	5777.48	4840.05	3292.12
3	वर्ष का नकद लाभ (कर के प्राविधान के पूर्व) (1–2)	297.74	392.52	880.66	738.47	(–)476.03
4	कर का प्राविधान	0.00	0.00	86.51	–	–
5	वर्ष का नकद लाभ (कर के प्राविधान के पश्चात) (3–4)	297.74	392.52	794.15	738.47	(–)476.03
6	ह्रास का प्राविधान	245.27	237.51	382.84	348.22	264.47
7	वर्ष का शुद्ध लाभ/हानि (5–6)	52.47	155.01	411.31	390.25	(–)740.50
8	पूर्व वर्ष के आयकर का समायोजन	0.00	(+)6.74			–
9	वर्ष का शुद्ध लाभ/हानि (7–8)	52.47	161.75	411.31	390.25	(–)740.50
10	संचित लाभ/हानि	(–)1864.36	(–)1702.61	(–)1291.30	(–)901.05	(–)740.50

5. वार्षिक लेखो की अद्यतन स्थिति के सम्बन्ध में :–

पर्यटन निगम के वित्तीय वर्ष 2016–17 के वार्षिक लेखो को निदेशक मण्डल द्वारा अंगीकृत किया जा चुका है।

निगम के वित्तीय वर्ष 2017–18 के वार्षिक लेखों का साविधिक सम्प्रेक्षण कार्य किया जा रहा है, शीघ्र ही सॉविधिक सम्प्रेक्षक से रिपोर्ट प्राप्त होने के सम्भावना है।

निगम के वित्तीय वर्ष 2018–19 के वार्षिक लेखों को निदेशक मण्डल से अनुमोदित कराते हुये सी0ए0जी0 नई दिल्ली नियुक्त सॉविधिक सम्प्रेक्षक को सम्प्रेक्षण कार्य हेतु उपलब्ध कराया जा चुका है।

निगम के वित्तीय वर्ष 2019–2020 के वार्षिक लेखों के निदेशक मण्डल से अनुमोदित कराते हुये सी0ए0जी0 द्वारा नियुक्त सॉविधिक सम्प्रेक्षक को उपलब्ध कराया गया है।

निगम के वित्तीय वर्ष 2020–21 के वार्षिके लेखों का आन्तरिक सम्प्रेक्षण कार्य पूर्ण है बैलेन्सशीट दिसम्बर, 2021 तक पूर्ण किये जाने की प्रबल सम्भावना है।

उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड के अधीन कर्मिकों की सूचनाः–

(दिनॉक–01.01.2022 की स्थिति)

समूह	नियमित	प्रतिनियुक्ति	दैनिक वेतन	अनुबन्ध	योग
समूह क	–	02	–	–	02
समूह ख	11	–	–	–	11
समूह ग	97	–	–	–	97
समूह घ	179	–	–	–	179
योग	**287**	**02**	–	–	**289**

उक्त के अतिरिक्त निगम में रिक्त पदों के सापेक्ष सेवा प्रदाता एजेन्सी के माध्यम से दिनांक 01.01.2022 तक 220 कार्मिकों की सेवाएं प्राप्त की जा रही है।

7– निगम के मार्केटिंग एवं परियोजना अनुभाग के कार्य–कलाप एवं गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण :–

क– अन्य राज्यों से व्यवसायिक समन्वय :–

निगम की आय मे निरन्तर वृद्धि एवं देशी एवं विदेशी पर्यटकों को अधिकाधिक सुविधाएं प्रदान किये जाने के दृष्टिकोण से अन्य राज्यों के पर्यटन निगमों से व्यवसायिक समन्वय/एम0ओ0यू0 किया गया है। इसके लिए राज्यों के पर्यटन निगमों, यथा–बिहार, आन्ध्र प्रदेश, गुजरात, हिमॉचल प्रदेश, केरल, प0बंगाल, तमिलनाडु पर्यटन विकास निगम आदि से एम0ओ0यू0 निष्पादित किये गये है।

ख– ऑन–लाइन बुकिंग की सुविधा :–

उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम के व्यवसाय में वृद्धि के दृष्टिकोण से निगम की आवासीय इकाईयों के कक्षों , पैकेज टुअर, बैन्क्वेट/लान/आडिटोरियम, बस/टैक्सी, गाईड इन्यादि की ऑनलाइन बुकिंग हेतु पूर्व से चल रहे वेब आधारित सॉफ्ट्वेयर एप्लीकेशन की री–डिजाइनिंग अपग्रेडेशन के उपरान्त निगम के पोर्टल upstdc.co.in पर ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है। इस व्यवस्था के अन्तर्गत पर्यटकों को किसी भी स्थान (देश–विदेश) से क्रेडिट कार्ड तथा डेबिट कार्ड व नेट बैंकिग के माध्यम से भुगतान करके कन्फर्म बुकिंग की सुविधा उपलब्ध है।

ग– आय में वृद्धि हेतु किये जा रहे प्रयास :–

पर्यटन निगम इकाईयों आक्यूपेन्सी में वृद्धि किये जाने के दृष्टिगत देश के अग्रणी बुकिंग पोर्टल Make My Trip/GoIbibo से अनुबन्ध हस्ताक्षरित किया गया है जिससे पर्यटन निगम की इकाईयों हेतु आरक्षण प्राप्त होना प्रारम्भ हो चुका है।

पर्यटन विभाग उ0प्र0 द्वारा पूर्ण कराया जा रही कतिपय योजनाओं को पर्यटन निगम निजी सहभागिता के माध्यम से संचालित करने की कार्यवाही गतिमान है इससे पर्यटन निगम को आगामी वर्षों में अतिरिक्त आय की प्राप्ति होगी।

पर्यटन निगम द्वारा संचालित इकाईयों की आवासीय एवं खान–पान के व्यवसाय में उत्तरोत्तर वृद्धि हेतु प्रिविलेज गेस्ट पॉलिसी लागू की गयी है। इस योजना के अन्तर्गत सदस्य द्वारा निगम की किसी भी इकाई पर स्वयं द्वारा या निगम की आधिकारिक बुकिंग पार्टल/यू0पी0एस0टी0डी0सी0 मोबाइल बुकिंग ऐप के माध्यम से कक्षों की बुकिंग, फूड एण्ड बेवरेज के क्रय पर किये गये भुगतान के सापेक्ष अंक अर्जित किये जायेंगे। इस योजना के अन्तर्गत देय प्रत्येक अंक मौद्रिक मूल्य रू0–0.25 (पच्चीस पैसे मात्र) होगा।

इस योजना के अन्तर्गत सदस्यता के दो स्तर होंगे–सिल्वर मेम्बर एवं गोल्ड मेम्बर, इस योजना के अन्तर्गत कोई भी व्यक्ति निगम की किसी भी इकाई में कक्षों/फूड एण्ड बेवरेज के क्रय के पश्चात् अन्तिम भुगतान करते ही इस योजना का सदस्य बन सकता है। सिल्वर मेम्बर की सदस्यता उसके द्वारा इस योजना के अन्तर्गत निश्चित किये गये क्रय मानकों को पूरा करने के पश्चात् गोल्ड मेम्बर के रूप में उच्चीकृत कर दी जायेगी।

<u>प्रिविलेज अंक</u>

सिल्वर मेम्बर–

ए. कक्षों की बुकिंग के सापेक्ष 01 (एक) अंक प्रत्येक 02 (दो) रूपये के अन्तिम भुगतान की राशि के आधार पर।

बी. फूड एण्ड बेवरेज के क्रय पर 01 (एक) अंक प्रत्येक 04 (चार) रूपये के अन्तिम भुगतान की राशि के आधार पर।

गोल्ड मेम्बर–

ए. कक्षों की बुकिंग के सापेक्ष 02 (दो) अंक प्रत्येक 02 (दो) रूपये के अन्तिम भुगतान की राशि के आधार पर।

बी. फूड एण्ड बेवरेज के क्रय पर 02 (दो) अंक प्रत्येक 04 (चार) रूपये के अन्तिम भुगतान की राशि के आधार पर।

सी. गोल्ड मेम्बर को इकाई में कक्षों की उपलब्धता के आधार पर निगम में लागू चेक–इन एवं चेक आउट समय में दो घण्टे की छूट बिना किसी शुल्क के अनुमन्य की जायेगी।

घ– <u>चित्रकूट–रोप–वे की स्थापना</u> :–

चित्रकूट के लक्ष्मण पहाड़ी में पी0पी0पी0 मॉडल पर रोप–वे की स्थापना का कार्य मेसर्स चित्रकूट रोप–वे प्रा0 लि0 नई दिल्ली पूर्ण कराया गया है जिसका व्यवसायिक संचालन दिनांक 04 मार्च 2019 से किया जा रहा है।

च– <u>विध्यांचल के अष्टभुजा एवं काली खोह में रोप–वे की स्थापना</u> :–

विध्यांचल के अष्टभुजा एवं काली खोह में पी0पी0पी0 मॉडल पर रोप–वे की स्थापना का कार्य मेसर्स विध्यांचल रोप–वे प्रा0 लि0 नई दिल्ली द्वारा पूर्ण कराया गया है जिसका व्यवसायिक संचालन 04 अगस्त 2021 से किया जा रहा है।

छ– पर्यटकों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराये जाने हेतु उ0प्र0 शासन द्वारा प्रदत्त स्वीकृति के क्रम में उत्तराखण्ड के हरिद्वार में 100 कक्षों के पर्यटक आवास गृह का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है जिसका अतिशीघ्र संचालन प्रारम्भ हो जायेगा। उत्तराखण्ड के बद्रीनाथ धाम में प्रस्तावित 40 कक्षों के पर्यटक आवास गृह का निर्माण कार्य प्रारम्भ हो चुका है।

उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम की इकाईयों के कक्षों, पैकेज टुअर, बैंक्वेट/लॉन/ऑडिटोरियम, बस/टैक्सी, गाइड इत्यादि की ऑन लाइन बुकिंग हेतु निगम द्वारा संचालित upstdc.co.in ऑनलाइन बुकिंग पोर्टल के माध्यम से पर्यटकों को ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा के अन्तर्गत निगम की मुख्यरूप से 34 इकाईयों को सम्मिलित किया गया है। इस व्यवस्था के अन्तर्गत पर्यटकों को किसी भी स्थान (देश–विदेश) से निगम की उक्त इकाईयों के किसी कक्ष आदि का आरक्षण क्रेडिट कार्ड तथा डेबिट कार्ड तथा नेट बैकिंग के माध्यम से भुगतान करके तत्काल कन्फर्म बुकिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

उपरोक्त के अतिरिक्त उक्त upstdc.co.in ऑनलाइन बुकिंग पोर्टल की भांति एक मोबाइल एप्लीकेशन भी विकसित कराया गया है जिसे मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा दिनांक 27.09.2021 को विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर लॉच किया गया है। उक्त मोबाइल एप्लीकेशन गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है जिसे कोई भी देशी/विदेशी नागरिक/पर्यटक गूगल प्ले स्टोर से अपने मोबाइल पर अपलोड कर निगम की इकाईयों के आवासीय कक्षों आदि की ऑनलाइन बुकिंग सुविधा का लाभ उठाया जा सकता है। उक्त मोबाइल एप्लीकेशन सुचारू रूप से कार्य कर रहा है, जिस पर ऑनलाइन बुकिंग का कार्य गतिमान है।